

समुद्री मत्स्यिकी के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक एवं प्रौद्योगिकी की आवश्यकता

आर.सी. सिंहा और एस.के. बाजपेयी
केंद्रीय मत्स्य, नौचालन एवं इंजीनियरी प्रशिक्षण संस्थान, विशाखपट्टणम

आजादी के बाद भी भारत में मत्स्यन का कार्य परम्परागत सुविधाओं के उपयोग द्वारा ही सम्पन्न होता था। अन्य देशों ने आधुनिक प्रौद्योगिकी का समुचित इस्तेमाल करके इस व्यापक क्षेत्र में महत्वपूर्ण सफलता अर्जित कर रहे हैं। मत्स्यिकी क्षेत्र के सम्पूर्ण विकास के लिये सरकार ने विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा इस क्षेत्र को आधुनिकी प्रौद्योगिकी से परिपूर्ण करने का संकल्प लिया है।

अधुनिकीकरण का सफल प्रयास भारत-नार्वे परियोजना द्वारा 1952 में आरम्भ किया गया। इस परियोजना ने भारतीय मत्स्यिकी उद्योग को आधुनिक प्रौद्योगिकी से लैस कर भारतीय मछुआरों की उत्पादकता एवं समुद्री मत्स्य उत्पादों में अभूतपूर्व सफलता अर्जित की है।

भारत के संदर्भ में समुद्री मत्स्यिकी को बढ़ावा देने के लिये हमें आधुनिक तकनीक एवं प्रौद्योगिकी से परिपूर्ण उपकरणों का इस्तेमाल करना होगा। समुद्र के अथाह जल में छिपे हुये पुचुर भंडार को हम अपनी आंखों से नहीं देख सकते लेकिन आधुनिक उपकरणों की मदद से हम समुद्र क्षेत्र का समुचित दोहन कर इस क्षेत्र में पूर्ण रूप से सफल हो सकते हैं।

मत्स्यिकी के क्षेत्र में हम अपना अधिकांश समय आथाह समुद्र की लहरों पर व्यतीत करते हैं सुरक्षित एवं सफल मत्स्य ग्रहण आधुनिक उपकरणों से सज्जित पोत द्वारा ही संभव है। यहाँ तक छोटे से छोटा पोत भी मुल भूत उपकरणों द्वारा सज्जित होता है। ये सभी उपकरण मत्स्य प्रग्रहण के यात्र-साथ आपात स्थिति में मानव रक्षा के साथ मशीनरी एवं उपलब्ध संसाधनों को बचाने में महात्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मत्स्यन के लिये समुद्र जहाजों में पूयुक्त होने वाले आधुनिक उपकरणों को हम चार भागों में बाँट सकते हैं। संचार उपकरणों जैसे वी.एच.एफ, एच एफ एवं उत्पग्रहीय रेडियो टेलीफोन द्वारा सैकड़ों समुद्री मील दूर होते हुये भी हम अपने कार्यालयों, पतनन्यास एवं समुद्र में विचरण करते हुये पोतों के लगातार संपर्क में रहते हैं। यह अतिसंवेदी रेडियो उपकरण विपरीत मौसम एवं जलवायु में भी हामारा संपर्क सूत्र बखूबी रखते हैं। उपग्रही संचार सेवा का समचुति इस्तेमाल भारतीय राष्ट्रीय महासागर सेवा केन्द्र, (INCOIS) हैदराबाद मत्स्य पकड़ के लिये संभाव्य मत्स्य क्षेत्र {Potential Fishing Zone} की सटीक जानकारी अंक्षास एवं देशांश के साथ मछुवारों और मत्स्य केन्द्रों को उपलब्ध कराता है। जिससे बीना विलम्ब के हम उस संभाव्य क्षेत्र में पहुँच कर मत्स्य पकड़ का कार्य करते हैं।

नौचालन उपकरण जैसे जी.पी.एस, रडार, सोनार, इको साउंडर आदि आधुनिक उपकरण हमें समुद्र में सफल एवं सुरक्षित परिचालन में मदद करते हैं। जी पी.एस. एवं रडार जैसे उपकरण घन घोर अंधेरे एवं प्रतिकूल वातावरण में समुद्री यान को सफलता पूर्वक एक स्थान से दूसरे स्थान के परिचालन को काफी आसान बना देते हैं। यह उपकरण, सनुद्र में जहाँ कोई भी सूचक साइन बोर्ड या ट्रैफिक की लाल - हरी बत्ती नहीं होती है, वहाँ गंतव्य तक बिना समय और ईंधन ब्यर्थ किये हमें सुरक्षित पहुँचा सकते हैं। सोनार एवं इको साउंडर समुद्र के गर्भ में छिपी हुयी मत्स्य संपदा को ध्वनि तरंगों द्वारा पता लगाकर अपनी विशेषता को बखूबी दर्शाते हैं।

समुद्र में विचरण करते हुये सुरक्षा उपकरणों की आवश्यकता को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। आपातकालीन अवस्था में यह उपकरण परभ्ररागत एवं उपग्रह के माध्यम से सुरक्षा ऐजेन्सियों को सतर्क कर हमें समुद्र के असीमित जलप्रवाह से सुरक्षित बाहर निकालकर हमारे जान-माल की रक्षा करते हैं। इन उपकरणों में ई.पी.आई.आर.बी., सार्ट नेवरेक्स, लाइफ रैफ्ट, लाइफ ब्याय अंतयन्त जरूरी उपकरण हैं जो प्रायः सभी पोतों में विद्यमान रहते हैं।

इन अत्यावश्यक उपकरणों के साथ मनोरंजन के लिये जैसे टी.वि., वि सी आर, डी.वि.डी, फील्म प्रोजेक्टर आदि का पोत में होना जरूरी है। क्योंकि समुद्र में हफ्तों, महीनो विचरण करते हुये इन्ही आधुनिक मनोरंजन उपकरणों द्वारा हम अपने को स्वस्थ एवं प्रसन्न रख सकते हैं।

इस प्रकार हम देखते हैं कि आधुनिक उपकरण एवं प्रौद्योगिकी मत्स्यन के क्षेत्र को सुरक्षित एवं सफल बना रही है लेकिन इन उपकरणों के रख-रखाव एवं सफलतापूर्वक इनके प्रयोग के लिये जिस प्रशिक्षण मानव की आवश्यकता है उसका मत्स्यन क्षेत्र में अभाव है। मत्स्यन के क्षेत्र में सरकार के कई प्रतिष्ठान हैं लेकिन प्रशिक्षण की सुविधा से यह संस्थान वंचित हैं। इस प्रशिक्षण की कमी को पुरा करने के लिये भारत सरकार ने केन्द्रीय मत्स्य नौचालन एवं इंजीनियरी प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना कोचिन, चेन्नै एवं विशाखपट्टणम में की है। हमें आशा है की इन संस्थानों द्वारा प्रशिक्षित मानव शक्ति मत्स्यकी उद्योग को एक नई दिशा प्रदान कर उचाईयो की ओर अग्रबित करेगा।